Result Mitra

रिजल्ट मित्र स्पेशल

Hand Written

करंट अफेयर्स नोट्स

7

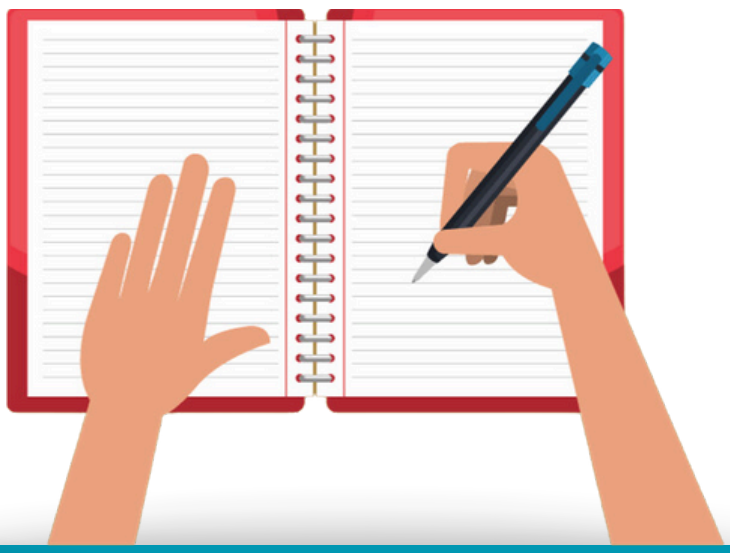

विश्व युद्ध अनाथ दिवस

7 Jan | P1

विश्व युद्ध अनाथ दिवस प्रति वर्ष 6 जनवरी को मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य युद्धों और संघर्षों के कारण अनाथ हुए बच्चों की दुर्दशा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

यूनिसेफ के अनुसार वर्तमान में विश्व भर में लगभग 15 करोड़ बच्चे अनाथ हैं।

इस दिवस की स्थापना फ्रांस के एसओएस एनफैंट्स एन डिट्रेसेस नामक संगठन ने की थी।

यूनिसेफ के अनुसार पूर्वोत्तर देशों में ऐसे लगभग 9 लाख बच्चे हैं जो युद्ध से गंभीर रूप से प्रभावित है।

यूनिसेफ (UNICEF)

यूनिसेफ का पूरा नाम है संयुक्त राष्ट्र बाल कोष इसकी स्थापना 11 दिसंबर 1946 को हुई।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बच्चों और माताओं की आपातकालीन भोजन और स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए इसकी स्थापना की गई।

पहले इसका नाम संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बाल आपातकालीन निधि था। बाद में इसका नाम संयुक्त राष्ट्र बाल निधि कर दिया गया।

7 Jan/P2

UNICEF

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष

प्रमुख कार्यालय
कोपेनहेगन

स्थापना
11 Dec 1946

1953
संयुक्त राष्ट्र
का स्थाई सदस्य

मुख्यालय
न्यूयॉर्क

1989
इंदिरा गांधी शांति
पुरस्कार

वर्तमान मुखिया
ऐन वेनेमन

1965 शांति का
नोबेल पुरस्कार

@resultmitra www.resultmitra.com

7 Jan | P2

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष

प्रभाग कार्यालय
कोपेनहेगन

1953
संयुक्त राष्ट्र
का सहायक संगठन

स्थापना
11 Dec 1946

मुख्यालय
न्यूयॉर्क

1989
इंदिरा गांधी शांति
पुरस्कार

वर्तमान मुखिया
ऐन वेनेमन

1965 शांति का
नोबेल पुरस्कार

विश्व युद्ध अनाथ दिवस (World Day of War Orphans)

अंतरराष्ट्रीय प्रयास:

- UNHCR (United Nations High Commissioner for Refugees) और अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की भूमिका।
- संघर्ष क्षेत्रों में शांति स्थापना और बच्चों के पुनर्वास के प्रयास।

भारत का योगदान:

- भारत का शांति मिशन और युद्ध पीड़ित क्षेत्रों में सहायता।
- SAARC और UN के तहत बाल अधिकारों की सुरक्षा में भारत की भागीदारी।

प्रभावशाली कार्यक्रम और पहल:

- बाल अधिकार संरक्षण के लिए वैश्विक और क्षेत्रीय प्रयासों का अध्ययन।
- बाल अधिकारों पर मिलेनियम डेवलपमेंट गोल्स (MDGs) और सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) का प्रभाव।

महत्व:

1.युद्धों का प्रभाव:

o दुनिया भर में युद्धों और संघर्षों के कारण लाखों बच्चे अपने माता-पिता से वंचित हो जाते हैं।

o ये बच्चे मानसिक, शारीरिक, और सामाजिक रूप से प्रभावित होते हैं, जिनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, और पोषण की कमी प्रमुख समस्याएँ होती हैं।

2.बाल अधिकारों की सुरक्षा:

o यह दिन बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने वाले संगठनों और सरकारों को उनके कल्याण के लिए कदम उठाने के लिए प्रेरित करता है।

o 1989 के संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार सम्मेलन (UNCRC) के तहत बच्चों के अधिकारों को संरक्षित करने के प्रयास किए गए हैं।

3.युद्ध अनाथों की स्थिति:

o युद्ध अनाथ अक्सर शोषण, मानव तस्करी, बाल श्रम, और कुपोषण के शिकार होते हैं।

o संघर्ष क्षेत्र जैसे सीरिया, अफगानिस्तान, यमन आदि में इन बच्चों की स्थिति चिंताजनक है।

पतंजलि के 30 वर्ष और विश्व में योग का प्रचार

पतंजलि योगपीठ ने अपनी स्थापना के 30 वर्ष पूरे कर लिए हैं इस अवसर पर स्वामी रामदेव ने हरिद्वार में आयोजित एक भव्य समारोह में पांच प्रमुख क्रांतियों की घोषणा की।

- शिक्षा क्रांति
- स्वास्थ्य क्रांति
- आर्थिक स्वतंत्रता
- बौद्धिक और सांस्कृतिक स्वतंत्रता
- नशा, बीमारियों और मानसिक पीड़ाओं से मुक्ति

पतंजली योगपीठ

- उद्घाटन - 2006
- उत्तर भारत में हरिद्वार में स्थित है
- स्थापनकर्ता - बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण

वर्तमान में पतंजलि आयुर्वेद नेपाल में भी अपनी शाखा खोल रहा है

Result Mitra

पतंजलि के 30 वर्ष और विश्व में योग का प्रसार

महत्वपूर्ण योगदान

1.**आयुर्वेद का पुनर्जीवन:**

o बाबा रामदेव ने आयुर्वेद को वैज्ञानिक आधार पर पुनर्जीवित किया।

o पतंजलि ने आयुर्वेदिक दवाओं और उत्पादों को लोकप्रिय बनाया।

2.स्वदेशी आंदोलन:

o पतंजलि ने "स्वदेशी" को एक बड़ा आंदोलन बनाया, जिससे विदेशी ब्रांडों को टक्कर दी गई।

o भारत की आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरणा दी।

3.आर्थिक प्रभाव:

o पतंजलि ने ग्रामीण भारत में रोजगार के अवसर बढ़ाए।

o छोटे और मध्यम उद्योगों को समर्थन दिया।

7 Jan/PS

भारत के सबसे स्वच्छ शहर और भोपाल गैस त्रासदी का कचरा

- भोपाल गैस त्रासदी के बाद यूनियन कार्बाइड संयंत्र में बचे हुए जहरीले कचरे को इंदौर के पास पीथमपुर में जलाने पर विवाद उत्पन्न हो गया है।

- विशेषज्ञों का मानना है कि इस जहरीले कचरे के कारण कैंसर सहित गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। जिससे स्थानीय जनसंख्या खासकर बच्चों पर गहरा असर पड़ेगा।

भोपाल गैस त्रासदी क्या थी ?

2 दिसंबर 1984 की रात को यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (UCIL) के कीटनाशक कारखाने से रसायन मिथाइल आइसोसाइनेट (MIC) ने भोपाल शहर को एक विशाल गैस चैंबर में बदल दिया। यह भारत की पहली बड़ी औद्योगिक आपदा थी।

- कम से कम 30 टन मिथाइल आइसो साइनाइट गैस ने 15000 से अधिक लोगों की जान ली और 600000 लाख से ज्यादा श्रमिकों को प्रभावित किया।

मिथाइल आइसोसाइनेट (MIC)

7 Jan/PC

मिथाइल आइसोसाइनेट एक रंगहीन तरल है जिसका प्रयोग तरल कीटनाशक बनाने के लिए किया जाता है

- मिथाइल आइसो साइनेट अब उत्पादन में नहीं है हालांकि यह अभी भी कीटनाशकों में उपयोग किया जाता है

- MIC से अल्सर, फोटोफोबिया, श्वसन संबंधी समस्याएं, एनोरेक्सिया, लगातार पेट दर्द आनुवंशिक समस्या, न्यूरोलॉजिकल बिगड़ा हुआ ऑडियो और विजुअल मैमोरी बिगड़ा हुआ तर्क क्षमता भी शामिल है

- इससे फेफड़े प्रभावित हो सकते हैं

→ शिशु मृत्यु दर में वृद्धि हो सकती है

→ गर्भविद्या के नुकसान में वृद्धि हो सकती है

Result Mitra

भारत के सबसे स्वच्छ शहर और भोपाल गैस त्रासदी का कचरा

भोपाल में शेष कचरे की समस्या:

1.त्रासदी के बाद का कचरा:

- यूनियन कार्बाइड संयंत्र के परिसर में लगभग 350 मीट्रिक टन जहरीला कचरा आज भी मौजूद है।
- इसमें भारी धातुएँ, कीटनाशक, और अन्य जहरीले रसायन शामिल हैं।

2.जल और मृदा प्रदूषण:

- .संयंत्र के आसपास का भूमिगत जल प्रदूषित हो गया है।
- .प्रभावित क्षेत्र की जमीन बंजर हो रही है।
- .कचरे से कैंसर, त्वचा रोग और अन्य बीमारियाँ फैल रही हैं।

3.कचरा निपटान में देरी:

- .इस कचरे के निपटान में कई दशक लग गए और यह अभी भी पूरी तरह से हल नहीं हुआ है।
- .2012 में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि इस कचरे का वैज्ञानिक रूप से निपटान किया जाए।
- .2022 तक, इसका अधिकांश हिस्सा सही तरीके से निपटाया नहीं गया।

4.सरकारी और गैर-सरकारी प्रयास:

.सरकार:

- कचरे को मध्य प्रदेश के पीथमपुर में वैज्ञानिक रूप से निपटाने की योजना।
- NGO और सामाजिक कार्यकर्ता:
- 'भोपाल ग्रुप फॉर इंफॉर्मेशन एंड एक्शन' जैसे संगठनों ने लगातार सरकार पर दबाव बनाया है।

oपर्यावरणीय न्याय:

- पीड़ितों को मुआवजा और कचरा प्रबंधन में देरी के खिलाफ याचिकाएँ।

5.भोपाल गैस त्रासदी से जुड़े अन्य मुद्दे:

क्लीन-अप लागत:

कंपनी और सरकार के बीच इस बात पर बहस चलती रही कि साफ-सफाई का खर्च कौन उठाएगा।

दायित्व का मुद्दा:

यूनियन कार्बाइड के मालिक (Dow Chemicals) पर दायित्व डालने की मांग अभी भी जारी है।

गुरु गोविंद सिंह जी की 358 वी जयंती और सिख धर्म

7 Jan |25

6 जनवरी 2025 को सिख धर्म के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी की 358 वीं जयंती पूरे देश भर में प्रकाश पर्व के रूप में मनाई गई।

गुरु गोविंद सिंह जी का जन्म 22 dec 1666 को पटना साहिब बिहार में हुआ था।

- ये सिख धर्म के अंतिम और दसवें मानव गुरु थे।
- 1699 में इन्होनें खालसा पंथ की स्थापना की। जो कि सिख धर्म में महत्वपूर्ण घटना है।
- सिख धर्म की स्थापना 15 वी शताब्दी में गुरु नानक देव जी के द्वारा पंजाब क्षेत्र में की गई थी।
- सिख अपने पंथ को गुरुमत (गुरु का मार्ग) कहते हैं
- गुरु गोविंद सिंह का जन्म 1666 में पटना में हुआ।
- ये नौवे सिख गुरु तेग बहादुर और माता गुजरी के इकलौते पुत्र थे।
- बचपन का नाम गोबिंद राय था।
- गुरु गोविंद सिंह ने एक खालसा वाणी वाहे गुरुजी का खालसा वाहे गुरुजी की फतह स्थापित की।
- उन्होंने स्वयं पर नियंत्रण के लिए खालसा के पांच मूल सिद्धांतों की स्थापना की।

@resultmitra www.resultmitra.com

केश, कंघा, कड़ा, कच्छा, कृपाण

गुरु गोविंद के चार पुत्र थे।

- अजीतसिंह
- जुझार सिंह
- फतेह सिंह
- जोरावर सिंह

मुगल शासक द्वारा दो पुत्र जोरावर सिंह और फतेह सिंह को सरहिंद में जिंदा चुनवा दिया गया।

गुरु गोविंद सिंह ने अपने पुत्रों की शहादत में कहा था।

सवा पुत्रन के कारण वार दिये सुत चार
चार मुए तो क्या हुआ जीवित कई हजार

अक्टूबर 1708 में महाराष्ट्र के नांदेड़ साहिब में गुरु गोविंद जी ने अपनी आखिरी सांस ली।

गीता में कहा है कि कर्म करो फल की चिन्ता न करो।
ठीक उसी प्रकार गुरु गोविंद सिंह जी ने कहा है
देह शिवा बर मोहे इहै शुभ करमन ते कबहूं न टरूं
यानि हम अच्छे कर्मों से कभी पीछे ना हटें परिणाम भले ही चाहे जो हो।

Result Mitra

गुरु गोबिंद सिंह जी की 356 वी जयंती और सिख धर्म

गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा रचित प्रमुख पुस्तकें और रचनाएँ :-

1. दशम ग्रंथ (Dasam Granth)
2. जप साहिब (Jaap Sahib)
3. अकाल उस्तति (Akal Ustat)
4. चंडी चरित्र (Chandi Charitra)
5. चौबीस अवतार (Chaubis Avtar)
6. सवैये (Sawayya)
7. बिचित्र नाटक (Bachitra Natak) (यह गुरु गोबिंद सिंह जी की आत्मकथा है।)
8. ज़फ़रनामा (Zafarnama) (यह गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा मुगल सम्राट औरंगजेब को लिखा गया एक पत्र है।)
9. शस्त्रनाम माला (Shastar Nam Mala)
10. त्रिया चरित्र (Triya Charitra)

हमारे यहाँ चलने वाली टेस्ट सीरीज की लिस्ट और 1 साल के लिए उनकी Fee निम्न प्रकार है.